"विरासत और संस्कृति पर्यटन को संरक्षित और बढ़ावा देना"

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने 21 जुलाई 2023 को आईटीसी वेलकमहोटल, जोधपुर, राजस्थान में ''विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा'' विषय पर अपना प्रमुख कार्यक्रम - 12वां अंतर्राष्ट्रीय विरासत पर्यटन कॉन्क्लेव आयोजित किया।

पिछले 11वें संस्करण को आगे बढ़ाते हुए, कॉन्क्लेव में इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि कैसे पर्यटन और संस्कृति क्षेत्र अधिक सहयोगात्मक रूप से एक साथ काम कर सकते हैं और विरासत और संस्कृति पर्यटन के संरक्षण और संवर्धन को सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी बढ़ा सकते हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने अपने संदेश के माध्यम से जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय विरासत पर्यटन कॉन्क्लेव के 12वें संस्करण के आयोजन की शानदार सफलता के लिए पीएचडी चैंबर को शुभकामनाएं दीं।

श्री मंदीप सिंह सोइन, एफआरजीएस, संस्थापक अध्यक्ष और सदस्य - गवर्निंग बॉडी, रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म सोसाइटी ऑफ इंडिया (आरटीएसओआई) ने कहा कि हमारी प्राकृतिक विरासत को बचाने और मदद करने के लिए धन जुटाने में निजी क्षेत्र की भागीदारी शामिल होनी चाहिए। यह खरीदारी करने वाले ग्राहक को एक जिम्मेदार यात्री बनने के लिए प्रेरित करेगा।

PHDCCI और उसके नॉलेज पार्टनर - ORG इंडिया ने संयुक्त रूप से 'विश्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा और सुरक्षा' शीर्षक से एक नॉलेज रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट दुनिया भर और देश में विरासत पर्यटन पर एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है।

पीएचडीसीसीआई के राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष श्री दिग्विजय ढाबरिया ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि विरासत पर्यटन, समुदायों, अर्थव्यवस्थाओं और सांस्कृतिक संरक्षण पर गहरा प्रभाव डालकर, सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमें अपनी जड़ों से जुड़ने, हमारे साझा इतिहास की सराहना करने और अंतरसांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने की अनुमति देता है।

पीएचडीसीसीआई की पर्यटन एवं आतिथ्य समिति के अध्यक्ष श्री विक्रमजीत सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मेलन का विषय 'दुनिया की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा करना' भविष्य की पीढ़ियों के लिए दुनिया की विरासत की रक्षा और सुरक्षा करने में हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। यह हमें जलवायु परिवर्तन, अस्थिर प्रथाओं, अनियंत्रित विकास और सांस्कृतिक कलाकृतियों के अवैध व्यापार से उत्पन्न बढ़ते जोखिमों से निपटने के लिए मजबूर करता है।

श्री राजन सहगल, सह अध्यक्ष, पर्यटन एवं आतिथ्य समिति, पीएचडीसीसीआई ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कहा कि पर्यटन का एक बड़ा हिस्सा प्राकृतिक, स्वदेशी और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थानों पर निर्भर करता है, जिन पर पर्यटन उत्पाद आधारित होते हैं। गंतव्य के सांस्कृतिक महत्व का सम्मान करने के लिए, पर्यटन उद्योग में शामिल

लोगों को उन सांस्कृतिक समूहों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है जिनकी उनमें विशेष रुचि है और उन्हें गंतव्य की योजना और प्रचार में सीधे शामिल होने की आवश्यकता है।

उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र हुआ

तकनीकी सत्र 1 - 'विश्व धरोहर स्थलों पर सतत पर्यटन प्रबंधन'

महामहिम द्वारा संबोधित श्री अरुणकोएमर, राजदूत, सूरीनाम दूतावास, महामहिम। श्रीमती विक्टोरिया सैमुअल अरु, राजदूत, दक्षिण सूडान गणराज्य, महामहिम। श्रीमती लालटियाना एकौचे, उच्चायुक्त, सेशेल्स गणराज्य के उच्चायोग, एच.ई. श्री हेमंडोयल डिलम, उच्चायुक्त, मॉरीशस उच्चायोग

तकनीकी सत्र II -'भारत को विश्व के शीर्ष विरासत पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करना'

श्री सुनील दुबे, निदेशक, निवेश संवर्धन, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, श्री कंवरजीत सिंह साहनी, श्री रक्षत हूजा, निदेशक, जयपुर विरासत फाउंडेशन, डॉ. महेंद्र सिंह तंवर, संयोजक - जोधपुर चैप्टर, इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH), श्री मनु शर्मा, क्लस्टर महाप्रबंधक - संचालन और महाप्रबंधक, उम्मेद भवन पैलेस, जोधपुर ने संबोधित किया।

तकनीकी सत्र III - 'संरक्षण और पुनर्स्थापन की उच्च लागत: निवेशकों को कैसे आकर्षित करें?'

वेलकमहेरिटेज होटल्स के सीईओ श्री अविनाश मंघानी, नीमराणा होटल्स के संस्थापक और अध्यक्ष श्री अमन नाथ, इंटरग्लोब फाउंडेशन की प्रमुख डॉ. मोनिका बनर्जी, स्टर्लिंग हॉलिडे रिसॉर्ट्स लिमिटेड के होटल सेल्स डिवीजन के उपाध्यक्ष श्री अभिउदय कटोच, रेडिसन होटल ग्रुप के सेल्स (पश्चिम) के एरिया डायरेक्टर श्री ब्रजेश ठाकुर, श्री कुणाल सिंह ने संबोधित किया।

कॉन्क्लेव को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, राजस्थान पर्यटन बोर्ड, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, डिपायोनियर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, ओआरजी इंडिया, यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया, वेलकम हेरिटेज बाल समंद लेक पैलेस, जोधपुर, आईएटीओ, आईएचएचए, टीएएफआई, राजस्थान रूट्स ट्रेल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समर्थित किया गया था।

कॉन्क्लेव का संचालन श्री नवीन सेठ, उप सचिव प्रमुख PHDCCI द्वारा किया गया और 100 से अधिक प्रासंगिक उद्योग हितधारकों ने भाग लिया।